हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 28 अक्टूबर, 2015, भागलपुर
बिहार का नं. 1 अखबार

मानसिक रूप से बीमार जुबैर भटक कर मुंबई पहुंच गया था, एक संस्था की पहल पर हुई घर वापसी

दो साल से गायब रौटा का जुबैर घर वापस लौटा

पूर्णिया | प्रमुख संवाददाता

करीब दो साल पूर्व अचानक गायब हुए 22 साल का जुबैर अपने घर लौट आया है। मुंबई स्थित श्रद्धा रिहैबिलिटेशन नामक संस्था ने उसे रौटा थाना क्षेत्र के सहरिया गांव तक पहुंचाया। जुबैर को देख घरवालों को सहसा विश्वास नहीं हुआ। लेकिन सामने बेटा को देख मां लिपट गई और बहन की आंखों से खुशी के आंसू गिरने लगे। थोड़ी देर में पूरे गांव के लोग पहुंच गये।

मानसिक रूप से बीमार जुबैर भटकते-भटकते मुंबई पहुंच गया जहां इन एनजीओ के सदस्यों की नजर पड़ गई। यह एनजीओ सड़क पर लावारिश लोगों को न केवल पनाह देता है बल्कि इलाज कर उसे घर तक पहुंचाता है। उसकी मानसिक हालत उस समय ठीक नहीं थी। उसकी यादाश्त खत्म हो गई थी।

ऐसे पहुंचे घर तक

श्रद्धा रिहैबिलिटेशन के सदस्य राशीद रजा ने बताया कि जुबैर दो माह पूर्व मुंबई की सड़कों पर घुमते हुए मिला था। उसे संस्था के पनाह गाह में रखा गया और उसका इलाज कराया गया। वह सीजोफ्रिनिया रोग से ग्रसित था। जब वह ठीक हो गया तो उसका नाम व ठिकाना जानने का प्रयास किया गया। उसे सिर्फ पूर्णिया याद था। धीरे-धीरे कौंसिलिंग करने पर उसके घर तक पहुंचे।

दो साल बाद घर वापस हुए जुबैर का स्वागत करते परिजन । • फोटो : हिन्दुस्तान

मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे परिजन

परिजनों ने बताया कि जुबैर के लापता होने के बाद उसकी काफी खोजबीन की गई लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला। अंततः उनलोगों ने मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। परिजनों ने घर तक आये श्रद्धा के सदस्यों को शुक्रिया अदा की और कहा कि आप मेरे लिए खुदा से कम नहीं। मां ने कहा- मेरा बेटा नहीं मेरा बुढ़ापे का सहारा मिला गया। जुबैर अपनी मां का इकलौता बेटा है। उसके पिता गुजर गये हैं। घर में उससे छोटी एक बहन है। जुबेर के घर पहुंचते ही पूरे परिवार में खुशियों की लहर फैल गई। जुबेर भी मां के कलेजे से लग गया और फिर न जाने का भरोसा दिलाया।